दरबार तेरा सांवरे | By Sakshi Agarwal

दरबार तेरा सांवरे छूटे कभी नहीं
आता रहूं ये सिलसिला टूटे कभी नहीं

साँसे चले ये जब तलक आता रहूं यहाँ
कदमो में तेरे सांवरे बसता मेरा जहान
अरमानो की ये डोरिया टूटे कभी नहीं
आता रहूं ये सिलसिला टूटे कभी नहीं

इस झूठी दुनियादारी की अब चाह ना मुझे
चाहे रूठ जाए जग कोई परवाह ना मुझे
पर मुझसे मेरा सांवरा रूठे कभी नहीं
आता रहूं ये सिलसिला टूटे कभी नहीं

मेरे सांवरे पसंद मुझे तेरी ये बंदगी
तेरे नाम के सहारे है कुंदन ये ज़िन्दगी
ये अपनी प्रेम गागरी फूटे कभी नहीं
आता रहूं ये सिलसिला टूटे कभी नहीं

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a5%87-by-sakshi-agarwal/